

ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

**12-10-2024**

एक दो के स्नेही तब बनेंगे जबकि संस्कारों और संकल्पों को एक दो से मिलायेंगे। लेकिन ध्यान रहे आपकी स्थिति स्तुति के आधार पर नहीं हो। नहीं तो डगमग होते रहेंगे। कई बच्चे जब कुछ करते हैं तो उसके फल की इच्छा रखते हैं। स्तुति होती है तो स्थिति अच्छी रहती है अगर कोई निंदा कर देता है तो अपनी स्टेज को छोड़ एक दो से किनारा कर लेते हैं। लेकिन स्तुति-निंदा में समान स्थिति रहे तो संस्कार टकरायेंगे नहीं।

**Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.**

You will be loving to one another when you harmonise sanskars and thoughts with one another. However, be cautious that your stage is not dependent on praise. Otherwise, you will continue to fluctuate. Many children want the fruit of whatever they do. If they are praised, their stage remains good but, if someone defames them, they put aside their stage and move away from everyone. However, when you maintain equanimity in praise and defamation, there won't be a conflict of sanskars.